C → 10

(Creating An Inclusive School)
(Unit – 1)

* Meaning, Definition, Characteristics and objective of Special Education, Integrated Education and Inclusive Education.

भूमिका :—

भारतीय शिक्षा प्रणाली में शिक्षा में सुधार करने के लिए समय-समय पर विभिन्न तरह के आयोग एवं कमेटीयों के द्वारा आजादी के पहले से ही प्रयास किये जा रहे है लेकिन आज समय ऐसा आ गया है कि शिक्षा पद्धति में विशेष रूप से बदलाव की आवश्यकता है कई ऐसे शिक्षा एजेंसिया है एवं बहुत से ऐसे विद्यालय एवं कालेजों में जाने वाले विद्यार्थियों की मानसिक एवं शारीरिक विभिन्नताएं पायी जाती है इन सभी विद्यार्थियों को आजकल अलग-अलग तरह से शिक्षा प्रदान किया जाता है। जिसमें विशिष्ट शिक्षा, समावेशी शिक्षा एवं एकीकृत शिक्षा ऐसी प्रणाली है जिसको अपनाकर विद्यालयी शिक्षा में हरसंभव सुधार लाया जा सकता है। आजकल इस तरह की शिक्षा प्रविधि के द्वारा बहुत से विद्यालयों में छात्रों का सर्वांगिण विकास देखने को मिलता है सामान्य छात्रों के तरह असमान्य छात्रों का विकास भी विद्यालयों में एक साथ होते हुए देखा जा रहा है।

इस प्रकार से इस तरह के शिक्षा प्रणाली के बारे में जानना विशेष आवश्यक है।

Scanned with CamScanner

APPOINTMENTS NOTES

23* विशिष्ट शिक्षा का अर्थ -(Meaning of Special Education) :- विद्यालय में समाज के विभिन्न वर्गों, समुदायों और परिवारों के बालक आते हैं जो सर्वथा एक दूसरे से भिन्न होते हैं। यह वैयक्तिक भिन्नता प्रत्येक में पाई जाती है। जोकि मात्र शारीरिक ही न होकर मानसिक, बौद्धिक, व्यक्तित्व एवं सामाजिक गुणों में परिलक्षित होती है। इसी प्रकार से ही वे बालक जिनका शारीरिक, मानसिक, व्यावहारिक और वैचारिक स्तर बालकों से भिन्न हो उन्हें विशिष्ट या असाधारण बालक कहा जाता है।

विशिष्ट शब्द असाधारण को सूचित करता है अर्थात वे बालक जो किसी रूप में साधारण बालकों में असाधारण हैं। एवं अपनी योग्यता, रुचि और क्षमता के अनुकूल शैक्षिक निर्देशन पाने पर ही इन बालकों का समुचित विकास संभव हो पाता है।

* विशिष्ट शिक्षा की परिभाषाएँ :- (Definition of Special Education) :- विशिष्ट बालकों को विद्यालय में जिन माध्यम एवं कौशलों का प्रयोग करके शिक्षक सामान्य छात्रों के साथ सामानजस्य स्थापित करते हुए शिक्षा प्रदान करते हैं उस प्रविधि को ही विशिष्ट शिक्षा कहा जाता है।

Scanned with CamScanner

ग्लोबल इनसाइक्लोपीडिया के अनुसार —
"विशेष शिक्षा उन लोगों को गैरपरम्परागत निर्देशन सेवाएँ प्रदान करती है जो परम्परागत शिक्षण अभ्यास से अधिक लाभ नहीं ले सकते। इनमें उन लोगों को सम्मिलित करते हैं जो शारीरिक रूप से अक्षम, संवेगात्मक अयोग्य, बौद्धिक क्षमता से भिन्न वाणी दोष, व्यावहारिक अव्यवस्थित होते हैं। विशिष्ट निर्देशन सेवा के अन्तर्गत विशिष्ट शिक्षण तकनीकी उपकरण सामग्री, सुविधाएं तथा सहायक सेवाएं सम्मिलित हैं।

द वर्ल्ड बुक इनसाइक्लोपिडिया के अनुसार —
"विशेष शिक्षा, विशिष्ट एवं प्रतिभावान लोगों को शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराती है। अधिकांश देशों में विशेष शिक्षा के कार्यक्रम उन लोगों के लिए लागू किये गये हैं जो अन्धे, बहरे, संवेगात्मक रूप से परेशान, शारीरिक रूप से विशिष्ट या मानसिक रूप से विशिष्ट होते हैं। कुछ स्थानीय स्कूलों में प्रतिभाशाली छात्रों को भी शिक्षा दी जाती है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं से स्पष्ट होता है कि विशिष्ट शिक्षा एक ऐसा अनुदेशन है जो बालकों की उन विशिष्ट विशेषताओं एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर संगठित किया जाता है जिनकी पूर्ति सामान्य विद्यालयी पाठ्यक्रम द्वारा संभव नहीं होती है। इसके लिए विशिष्ट शिक्षण विधि के द्वारा ही अध्यापन कराना श्रेयस्कर होगा।

Discovery is one more way of finding answers.

Scanned with CamScanner

25

* विशिष्ट शिक्षा के उद्देश्य :- (objective of Special Education) - विशेष या विशिष्ट शिक्षा हेतु निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किये गये हैं :—

(i) विशिष्ट शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य गंभीर रूप से शारीरिक अक्षमता वाले छात्रों को स्वयं अपनी सहायता करने व देखभाल करने की कुशलता को विकसित करना होता है।

(ii) विशिष्ट बालकों के लिये विशिष्ट शिक्षा देने का उद्देश्य उन छात्रों में ऐसी कुशलताएँ विकसित करना है जिससे वे परम्परागत कक्षाओं में दी जाने वाली शिक्षा का लाभ प्राप्त कर सकें।

(3) शारीरिक विकलांग बालकों की बाधाएँ दूर कर सामान्य बालकों की भाँति शिक्षा सुविधाएँ प्रदान की जा सकें।

(4) विशिष्ट शिक्षा का उद्देश्य विशिष्ट बालकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करना होता है।

(5) सामान्य बालकों की भाँति शिक्षा के सभी अवसर सुलभ कराना, जिससे उनकी अक्षमता, उनके विकास में कहीं बाधक न बने और कोई भी व्यक्ति अपनी अक्षमता या विशिष्टता के कारण कार्य करने से वंचित न रहे।

Scanned with CamScanner

(6) सामान्य पाठ्यक्रम के अतिरिक्त इनके लिए विशिष्ट क्रियाकलापों का आयोजन कर विशिष्ट आवश्यकताओं की को पूरा करना । जिससे आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके ।

* विशिष्ट शिक्षा की विशेषताएँ :- (Characteristi of Special Education) :-

विशिष्ट शिक्षा की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :-

(1) सम्पूर्ण मानवीय शक्ति के सदुपयोग पर बल देता है।

(2) विद्यालय में विशेष कक्षाओं, उपकरणों एवं शिक्षण प्रविधियों पर जोर देता है।

(3) मानसिक ग्रन्थियों, कुण्ठाओं व नैराश्य को कम करने तथा मानसिक विकास में सहायक है।

(4) परिवार, विद्यालय, समाज तथा मित्र मण्डली में समायोजन हेतु ।

(5) विशिष्ट बालक आपके ही परिवार के सदस्य होते हैं अतः इनमें लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं मानवतावादी दृष्टिकोण विशिष्ट शिक्षा के द्वारा प्रदान किया जाता है ।

Scanned with CamScanner

27 (b) विशिष्ट बालकों में भी क्षमताएँ कुशलताएँ एवं योग्यताएँ होती हैं, विशिष्ट शिक्षा के द्वारा उसकी पहचान करके ऐसी शिक्षा प्रदान की जाती है जिससे उनका समुचित विकास हो सके।

अतः इन सभी विशेषताओं के वजह से ही विशिष्ट शिक्षा बहुत अधिक महत्वपूर्ण है एवं विशिष्ट बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यधिक प्रेरणादायक है।

Scanned with CamScanner